

एलडीए ने ई-ऑक्शन में बेची 450 करोड़ रुपए की सम्पत्ति, तीन गुना से अधिक लगी बोली

● बसन्तकुंज योजना में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के सामने गृह हाउसिंग का भूखण्ड 100 करोड़ में बिका, लोगों को बड़ी संख्या में मिलेगी आवासीय सुविधा



पायनियर समाचार सेवा | लखनऊ

एलडीए द्वारा ई-ऑक्शन में 450 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की तहत कराये गये इस ई-ऑक्शन में निवेशकों का जबरदस्त उत्सव था। नवीजा यह रहा कि ई-ऑक्शन में लगायी गयी आवासीय व्यावसायिक सम्पत्तियों का व्यापक तर पर प्रचार, प्रसार कराया गया, जिससे अधिक संख्या में लोगों को

के साथ ही गृह हाउसिंग, निर्सिंग होम, फैसलेटीज, मिश्रित भू-उपयोग व फैलाइन के भूखण्ड भी बिके।

शनिवार को ई-ऑक्शन में एलडीए ने 450 करोड़ रुपए की सम्पत्ति बेची एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि ई-ऑक्शन में लगायी गयी आवासीय व्यावसायिक सम्पत्तियों को बोली लगाने वाले सभी सफल आवंटियों को बदल से बदलने के बाद बाटने के भूखण्ड भी बिके।

शनिवार को ई-ऑक्शन में सम्पत्ति बेची गयी थी। पारदीप प्रांकिया के तहत कराये गये इस ई-ऑक्शन में निवेशकों का जबरदस्त उत्सव था। नवीजा यह रहा कि ई-ऑक्शन में लगायी गयी आवासीय व्यावसायिक सम्पत्तियों का व्यापक तर पर प्रचार, प्रसार कराया गया, जिससे अधिक कीमत तक बोली लगी और आवासीय व्यावसायिक भूखण्डों

सम्पत्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकी। इसके अलावा सम्पत्ति खरीदने के इन्कूल लोगों को अभियंताओं व कर्मचारियों द्वारा साइट विजिट भी करायायी गयी, जिसके बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि ई-ऑक्शन में बोली लगाने वाले सभी सफल आवंटियों को बदल से बदलने के बाद बाटने के भूखण्ड भी बिके।

शनिवार को ई-ऑक्शन में सम्पत्ति बेची एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि ई-ऑक्शन में लगायी गयी आवासीय व्यावसायिक सम्पत्तियों का बोली लगाने वाले सभी सफल आवंटियों को बदल से बदलने के बाद बाटने के भूखण्ड भी बिके।

फाइन डाइन के भूखण्ड भी बिके सीबीडी योजना में फाइन डाइन का 11 करोड़ रुपए कीमत का भूखण्ड 15 करोड़ 35 लाख रुपए में बिका। अपर सचिव जानेन्द्र वर्मा ने बताया कि एक को छोड़कर फाइन डाइन के सभी भूखण्ड भी बिके हैं। उन्होंने बताया कि गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-4 के आवासीय भूखण्डों पर जमकर बोली लगी और 1.33 करोड़ लाये जाएंगे, उसके लिए मानन्चित्र आदि खालीहूं की समस्त सम्पत्ति बेची है। अपर सचिव जानेन्द्र वर्मा ने बताया कि पिछले बारे के ई-ऑक्शन में बस्तन्त्र-4 के आवासीय भूखण्डों पर जमकर बोली लगी और 1.33 करोड़ रुपए का भूखण्ड 4.48 करोड़ रुपए में बिका। अपर सचिव जानेन्द्र वर्मा ने बताया कि पिछले बारे के ई-ऑक्शन में बस्तन्त्र-4 के आवासीय भूखण्डों पर जमकर बोली लगी और 1.33 करोड़ रुपए में बिका। अपर सचिव जानेन्द्र वर्मा ने बताया कि एक को छोड़कर फाइन डाइन के सभी भूखण्ड भी बिके हैं।

लगभग 100 करोड़ रुपए में बिका है। गृह हाउसिंग का भूखण्ड भी बिकने से योजना में बड़ी संख्या में आवासीय यूनिट बनेंगे और लोगों को इसका बढ़ा फायदा मिलेगा।

साहित्य में जीने वाला व्यक्ति हमेशा रहता है जीवंतः डॉ जी.के. गोस्वामी

गृह प्रथम साहित्योत्सव

पायनियर समाचार सेवा | लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में साहित्योत्सव 2025 का आयोजन किया गया। साहित्योत्सव कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी संस्थान के संस्थानिक निदेशक डॉ जीके गोस्वामी थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ जीके गोस्वामी, उप निदेशक राजीव मल्होत्रा एवं एसपी अनुल कल्याण अंतिम प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ञवलन कर किया गया। इस अवसर पर डॉ गोस्वामी ने कहा कि साहित्य में जीने वाला व्यक्ति हमेशा जीवंत रहता है। उन्होंने कहा कि साहित्योत्सव के आयोजन में इसलिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया था ताकि संस्थान के छात्र-छात्राएं साहित्य एवं लोक संस्कृति के क्षेत्र में भी लाभान्वित हो सके। यह प्रथम अवसर था जब

यूपीएसआईएफएस में साहित्य एवं लोक-कल के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान को बढ़ावा देने के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया था ताकि संस्थान के निदेशक ने आमंत्रित कर्विंगों को स्मृति विच व्रद्धि प्रदान कर बढ़ाई भी दी।

कार्यक्रम में कानपुर से पधारी लोक-कल के लोक-कल के क्षेत्र में उपरते हुए खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगियां के लिए तैयार कर रही हैं। अकादमी को खिलाड़ियों से जाम कराए। लोक-कल के लोक-कल के क्षेत्र में भी लाभान्वित हो सके। यह प्रथम अवसर था जब

तालियां बटोरी। वहाँ कानपुर से ही पधरे देश के बड़े शायद जौहर कानपुरी' ने 'दिल दुखा कर आजमा कर या रुठा कर छोड़ा।' हमने सोची ही नहीं अपना बना रखा कर छोड़ा।' उन्होंने बताया कि देश के सभागार से तालियां बटोरी। कार्यक्रम में कानपुर से आयोजित कार्यक्रम के स्थानिक जौहर को धूमधारी से पधारे दिवार का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के पूर्वांच में सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को ठाठाकों से भर दिया। उन्होंने सुनाया 'जौहर का अविवाही' ने अपनी रचना न माना उपकारी जौहर के लिए नायनी उपायकरण को आमंत्रित किया। लोक-कल के क्षेत्र में भी नुकसान के बारे का ऊपर आकृष्ट किया गया। इसके अंतर्गत कार्यक्रम के विनय प्रकाश मिश्र ने व्यंग्य सुना कर महफिल को

